विचार बिन्दु

अविश्वास आदमी की प्रवृत्ति को जितना बिगाड़ता है, विश्वास उतना ही बनाता है। –धर्मवीर भारती

'बंटोगे तो कटोगे'

मोदी और योगी ये दो नाम हैं जो भारतीय राजनीति में सबसे अधिक परिचित व चर्चित नाम हैं। मोदी की देश व विदेश सभी जगह अपनी विशिष्ट पहिचान है जबकि योगी का दायरा सीमित है। दोनों ही कर्मठ कार्यकर्ता और प्रखर वक्ता हैं। दोनों की मेमोरी अद्भुत है। दोनों ही भारत माता के लाल हैं। दोनों का परिवार सम्पूर्ण देश है। दोनों की भाषण शैली श्रोताओं के मन को छू लेती है। फिर भी कुछ ऐसे विषय हैं जहां मोदी मोदी हैं और योगी योगी। एक भारत का प्रधानमंत्री है और दूसरा देश के एक बडे राज्य का मुख्यमंत्री है।

उत्तरप्रदेश के राज्य के चुनावों में योगी ने जो जीत प्राप्त की और राज्य का शासन संचालित किया वह इतिहास का प्रश्न है राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का प्रयत्न किया तथा राज्य के लॉ एण्ड आर्डर को चुस्त बनाया। उत्तरप्रदेश में दंगे बहुधा होते रहते थे, योगी के कुशल शासन में वे बंद से हो गये। गुण्डे तडीपाड कर दिये, इन कारणों से राज्य का शासन अन्य राज्यों की अपेक्षा अधिक अच्छा हो गया। गुण्डे, अराजकतावादी, आदि लोग योगी के नाम से ही कांपने लगे। विधानसभा के चुनावों में अच्छी सफलता प्राप्त की उत्तरप्रदेश का अपना नाम हो गया। यह सच है कि जब व्यक्ति सफलता की सीढ़ी चढ़ने लगता है तो उसे गिराने वाले भी बहुत इकट्ठे हो जाते हैं। कहते हैं उसको अपनों ने ही योगी को धोखा दिया। फलस्वरूप संसद के चुनावों में नतीजा निराशाजनक आया। योगी व भाजपा के बडे नताओं ने परिश्रम किया और पुनः अपनी स्थिति बनाने में सफल होने जा रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है।

राजनीति में सद्भावना का ग्राफ काफी नीचे जा रहा है। देश में केवल दो पार्टियां रह गई हैं। एक पार्टी है मोदी की या भाजपा और दूसरी पार्टी है इण्डिया ग्रुप की। जातिवाद का जहर राजनीति में फेल चुका है। भाजपा मानती है कांग्रेस केवल मुस्लिम मतदाताओं की पार्टी बन कर रह गई है। भाजपा की सोच रही है, कांग्रेस को हराना है तो मुस्लिम मतदाताओं में मत विभाजन करो। यूपी के चुनाव आमेठी का चुनाव अयोध्या के चुनाव स्पष्ट कर दिया कि भविष्य में चुनाव जीतना है तो मुस्लिम वोटों के विभाजन से कुछ नहीं होगा। इण्डिया गठबंधन से लड़ना है तो आपको हिन्दुओं के संगठन को टूटने से बचाना होगा। हिन्दू वोटों को बंटने से रोकना होगा। जातिवाद का चक्रव्यूह तोडना होगा। इससे भारतीय गंगा–यमुनी संस्कृति पर कोई विपरीत असर नहीं होगा। मुस्लिम बहुल क्षेत्र से शकुन परिहार की जीत इसका प्रमाण है।

हरियाणा का चुनाव आंखें खोलने वाला है। एग्जिट पोल के नतीजों के अनुसार भाजपा का नाम निशान ही कहीं जीतने वालों में नहीं दिखाई देता था; किन्तु नतीजों ने सबकी आंखें खोल दी। भाजपा अच्छी मेजोरिटी से जीत गई। इण्डिया अलायन्स हार गया। सारी भविष्य वाणियां झूठी साबित हुई। हरियाणा का रिजल्ट ऐसा आयेगा, कोई सोच ही नहीं सकता था।

राजनीति के जानने वाले रहस्य से पर्दा हटाने में लगे रहे, किन्तु रहस्य वे भी उजागर नहीं कर सके। भारतीय जनता पार्टी कैसे जीती, यह रहस्य उजागर है।

योगी ने चुनाव सभा में हिन्दू मतदाताओं को चेतावनी देते हुये कहा, 'बंटोगे तो कटोगे'। अर्थ था हिन्दू मतदाताओं का विभाजन रोको। यदि हिन्दुओं के वोटों का विभाजन नहीं हुआ तो जीत निश्चित है। योगी की वाणी 'बंटोगे तो कटोगे' मंत्र बन गई। इसी भाषा में आरएसएस के नेता भी बोलने लगे। इसी को मोदी ने दूसरे रूप में कहा। कांग्रेस की जातिवाद नीति का यह सही उत्तर है।

बंगलादेश में विद्रोह हुआ। सरकार का तख्ता पलट गया। नई सरकार ने हिन्दुओं की रक्षा के लिये कुछ नहीं किया। यों पाकिस्तान की तरह बंगलादेश में भी हिन्दू कभी सुरक्षित नहीं रहे। हिन्दू भारत के अतिरिक्त कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। जहां हिन्दू मुसलमानों के साथ है वहां वे सुरक्षित नहीं हैं। भारत, हिन्दुस्तान है, भारत का कर्त्तव्य है कि वह पडोसी देशों में जहां हिन्दू है उनकी रक्षा करे। मुसलमान सब जगह फैले हुये हैं वहां वे सुरक्षित हैं, क्योंकि मुसलमान चाहे वे कहीं भी रह रहे हैं, अन्य मुस्लिम बन्धु उसकी रक्षा को तैयार हैं। भारत में मुसलमानों को वे सब अधिकार प्राप्त हैं जो हिन्दुओं को हैं।

बंगलादेश भारत का पडोसी देश है अतः वहां हिन्दुओं की सुरक्षा, भारत की चिन्ता का विषय है। हिन्दू बंगलादेश में बंगाल के कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। हिन्दुओं के उत्पीडन की घटनायें सत्ता परिवर्तन के बाद बढ़ रही है। यह निर्विवाद तथ्य है कि धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिये बड़ा खतरा है। भारत का बंगलादेश की सरकार को समझाना होगा कि बंगलादेश का विकास भारत के साथ व्यापारिक संबंधों पर ही निर्भर है। भारत को कूटनीति से इस ज्ञान को बंगलादेश की सरकार को समझाना चाहिये। भारत में चुनाव सालभर देश में कहीं न कहीं होते रहते हैं और भारत के चुनावों में मुसलमानों की एक अहम् भूमिका रहती है। अतः योगी का महामंत्र 'बंटोगे तो कटोगे'। हरियाणा चुनाव में भाजपा का शंखनाद हो गया।

योगी ने चुनाव सभा में हिन्दू मतदाताओं को चेतावनी देते हुये कहा, 'बंटोगे तो कटोगे'। अर्थ था हिन्दू मतदाताओं का विभाजन रोको। यदि हिन्दुओं के वोटों का विभाजन नहीं हुआ तो जीत निश्चित है। योगी की वाणी 'बंटोगे तो कटोगे' मंत्र बन गई। इसी भाषा में आरएसएस के नेता भी बोलने लगे। इसी को मोदी ने दूसरे रूप में कहा। कांग्रेस की जातिवाद नीति का यह सही उत्तर है।

हरियाणा व जम्मू कश्मीर के चुनावों ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस की अपनी स्वयं की कोई ताकत नहीं है। कश्मीर में कांग्रेस 6 सीटें केवल इसलिये जीत पाई कि मुस्लिम मतदाताओं का नेशनल कॉन्फ्रेन्स का साथ उन्हें मिला। इण्डिया गठबंधन भाजपा के विरूद्ध सभी अन्य राजनीतिक पार्टियों का एक समूह है। कांग्रेस की हरियाणा में हार का एक मात्र कारण था, उसने छोटे दलों से दूरियां बनाई। जम्मू कश्मीर के विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस को नेशनल कॉन्फ्रेन्स और वामदलों के साथ गठबंधन में लडी 39 सीटें दी गई किन्तु वह केवल 6 सीटें जीत सकीं। जबकि नेशनल कॉन्फ्रेन्स अपने हिस्से की 55 में से 42 सीटें जीतने में सफल हुई। उमर अब्दुल्ला को संयुक्त रूप से लीडर चुना गया है। उनका मुख्यमंत्री बनना निश्चित है। आप (AAP) को एक सीट मिलने पर भी वह कह रही है हम सरकार बनायेंगे, किन्तु कांग्रेस 6 सीटों के बाद भी गठबंधन से दूर रहना चाहती है और अपनी पसन्द की सीटें लेना चाहती है जबकि एनसी उन्हें एक स्थान केबीनेट में देना चाहती है।

जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की सरकार बनेगी । उमर अब्दुल्ला के पास पर्याप्त नम्बर विधायक सरकार बनाने के हैं; किन्तु अभी तक यह स्पष्ट नहीं है, कांग्रेस सरकार बनाने वाले ग्रुपों में होगी या नहीं।

उमर अब्दुल्ला की सरकार बनेगी किन्तु क्या वह सरकार 370 अनुच्छेद को पुनः लागू करा पायेगी, यह कहना कठिन है। उमर अब्दुल्ला का कथन इस बाबत स्पष्ट नहीं है किन्तु वे समझ चुके हैं कि 370 वापिस लाना सम्भव नहीं है। भाजपा ने स्पष्ट किया है वह जम्मू कश्मीर के विकास के लिये उचित कदम उठायेंगे। केन्द्र सरकार साथ देगी।

राजस्थान, महाराष्ट्र व झारखण्ड में विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी हैं। बिहार में भी अगले साल विधानसभा के चुनाव होंगे।

चुनाव देश में होते रहते हैं, किन्तु अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद जो जम्मू कश्मीर में चुनावों के समय वातावरण बना वह विचार का विषय है। नेशनल कॉन्फ्रेन्स के नेता भी जो 370 हटाने का विरोध कर रहे थे, वे भी मन में इस बात को जानते थे कि इसे वापिस लाना पुनःस्थापित करना सम्भव नहीं है। उमर अब्दुल्ला को सदन का नेता चुने जाने के बाद कई प्रकार से अपने स्टेण्ड को जनता को समझाने का बयान दिया; किन्तु उनकी भावना स्पष्ट थी कि 370 को पुनः स्थापित किया जाना संभव नहीं है। उमर तथा नेशनल कॉन्फ्रेन्स के नेता फारूक अब्दुल्ला ने माना कि चुनौतियों तो बहुत हैं, किन्तु एक बात निश्चित है उन्हें जम्मू कश्मीर की भलाई के लिये उसके विकास के लिये हिन्दुओं का विश्वास तो हासिल करना ही होगा। यद्यपि भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की पार्टी है; किन्तु पक्ष व विपक्ष होने का लक्ष्य एक ही है, यानी जम्मू कश्मीर का विकास। जम्मू कश्मीर की सरकार आपसी सद्भाव व विश्वास के आधार पर ही चलेगी।

जम्मू कश्मीर में जनता ने अलगाववाद, आतंकवाद, परिवारवाद, पत्थरमार, सब कुछ सहन किया है और 370 हटाये जाने के बाद के जम्मू कश्मीर के विकास को देखा है, वहां टूरिस्ट की चाह देखी है, शान्ति देखी है, युवाओं की महत्वाकांक्षा को देखा है। वे रोजगार के अवसरों को देख रहे हैं। भाजपा के पास विधानसभा में एक ही कार्य है, जम्मू कश्मीर का विकास हो, राज्य को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त हो, युवाओं को शिक्षा प्राप्त हो रोजगार मिले, नौकरियां मिलें और कश्मीर विश्व का श्रेष्ठतम हिल स्टेशन बने। विधानसभा में भाजपा के पास तथा नेशनल कॉन्फ्रेन्स के पास लडने का एक ही विषय होगा, जिसे विकास कहते हैं। हिन्दुओं को अपने भाई मुसलमानों का और मुसलमानों का हिन्दुओं का विश्वास प्राप्त करना होगा। नेशनल कॉन्फ्रेन्स के चीफ का कथन है कि हमें हिन्दुओं का विश्वास जीतना होगा, यह स्पष्ट संकेत देता है कि सभी लोग जम्मू कश्मीर राज्य के विकास को देखना चाहते हैं।

जहां कांग्रेस बांटने की बात करती है नेशनल कॉन्फ्रेन्स व भाजपा आपसी भाईचारे से राज्य के विकास के सुनहरे सपने देख रहे हैं। समय दूर नहीं है, पूर्ण राज्य का दर्जा जम्मू कश्मीर को शीघ्र प्राप्त होगा। योगी की वाणी कारगर होगी 'न हम बटेंगे और न कटेंगे' हिन्दू मतदाता मिलकर वोट देंगे उनके वोट कटेंगे नहीं। जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलेगा। देश के अन्य राज्यों की अपेक्षा जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग होकर सबसे अधिक विकसित राज्य होगा। यह वही स्थान होगा जिसे किसी समय धरती का स्वर्ग कहा जाता था।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

'डिजिटल क्रांति से भारत में हुए बदलावों की विश्व समुदाय ने तारीफ की'

अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 149वीं असैम्बली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और शिष्टमंडल ने भारत का पक्ष रखा

जिनेवा में अंतर-संसदीय संघ की बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने भाग लिया।

जिनेवा/नई दिल्ली। अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 149वीं बैठक गुरुवार को सम्पन्न हो गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने एसेम्बली के साथ ही आईपीयू की स्थायी समितियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और अन्य देशों के साथ परस्पर संबंधों को सुदृढ़ करने तथा संसदों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संपर्क और संवाद करने की पहल की।

स्पीकर ओम बिरला समापन दिवस पर आईपीयू की शासी परिषद की बैठक में शामिल हुए। बिरला ने कहा कि भारतीय शिष्टमंडल ने एसेम्बली के मुख्य विषय से जुड़े उन प्रमुख वैश्विक मुद्दों की ओर ध्यानाकर्षित किया, जिनमें भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया। इसके साथ ही भारत की वैश्विक प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए परस्पर सहयोग की नीतिगत चर्चा–संवाद में शामिल होकर योगदान दिया। संसदीय सहयोग के माध्यम से समावेशी विकास और शांति की स्थापना के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के लिए आईपीयू उपयोगी मंच है। डिजिटल क्रांति से भारत में हुए सामाजिक–आर्थिक बदलावों की विश्व समुदाय ने जमकर तारीफ की।

रिकॉर्ड के रखरखाव, संसद में हुई चर्चा और भाषणों के साथ ही अन्य जानकारी लोगों को उपलब्ध कराने और संसद को लोगों के करीब लाने में प्रौद्योगिकी और एआई के बेहतर उपयोग से सांसदों के लिए अपनी पसंद की भाषा में विचार व्यक्त करना संभव हुआ है जिससे संसद की जानकारी जन–जन तक पहुंची है। विश्व समुदाय ने भारत की हरित, तकनीक–संचालित और पेपरलेस संसद की सराहना की है। लगभग 100 से अधिक देशों के अध्यक्षों और सांसदों ने संसदीय प्रशिक्षण के लिए

■ एसेम्बली के दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कई संसदों के पीठासीन अधिकारियों से मुलाकात की

एक प्रमुख वैश्विक संस्थान के रूप में को स्वीकार किया है और उसकी सराहना की है। एसेम्बली के दौरान बिरला ने कई संसदों के पीठासीन अधिकारियों से मुलाकात की। इन मुलाकातों के दौरान अध्यक्ष ने प्रौद्योगिकी के उपयोग से डिजिटल इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, डीबीटी योजना आदि जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए भारत में समावेशी और सतत विकास की उपलब्धियों के बारे में उन्हें बताया।

यात्रा के दौरान स्पीकर बिरला के साथ शिष्टमंडल में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सांसद भर्तृहरि महताब, अनुराग ठाकुर, राजीव शुक्ला, विष्णु दयालराम, अपराजिता सारंगी, डॉ. सस्मित पात्रा, ममता मोहंता व स्पीकर ओम बिरला के ओएसडी राजीव दत्ता शामिल रहे।

"आदमखोर पैंथर को गोली मारो, तब शव लेंगे"

मोर्चरी पर प्रदर्शनकारी परिजनों और ग्रामीणों से पुलिस और प्रशासन ने समझाइश की, इसके बाद ग्रामीणों ने शव लिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर से नजदीक मदार बड़ा तालाब के पास आदमखोर पैंथर द्वारा खेत में फसल काट रही महिला को मारने के मामले में गुरूवार को आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव लेने से इनकार कर दिया। वन विभाग के प्रति आक्रोश जताते हुए परिजनों ने कहा पहले उसे आदमखोर पैंथर को पकड़कर गोली मारो, इसके बाद ही शव लेंगे। प्रदर्शनकारियों में महिलायें भी अधिक संख्या में शामिल थी। समझाइश के बाद मामला शांत हुआ।

आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरुवार को मोर्चरी के बाहर सुबह से लेकर दोहपर एक बजे तक विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे। पुलिस और प्रशासन की समझाइश और पैंथर को मारने का आश्वासन मिलने के बाद परिजन शांत हुए और पोस्टमार्टम के बाद शव लेने को तैयार हो गए।

ग्रामीण पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग पर अड़ गए। माहौल गर्माता देख उदयपुर एसपी योगेश गोयल, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा और डीएफओ अजय चित्तौड़ा मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से समझाइश करने का प्रयास किया। इस दौरान डीएफओ ने वन विभाग की ओर से निर्धारित पांच लाख रुपए मुआवजा राशि देने की बात कही। वहीं एसपी और विधायक ने कहा कि बाकी मुआवजा राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष से दिलावाने के लिए राज्य सरकार को पत्र लिखा जाएगा।

■ ग्रामीणों का कहना है कि आदमखोर पैंथर इतना खूंखार हो चुका है कि वह समूह में भी हमला कर रहा है, घर से बाहर निकलने में भी डर लग रहा हैं खेत पर फसल देखने कैसे जाएं

गौरतलब है कि बुधवार को आदमखोर पैंथर ने मदार बड़ा तालाब के पास खेत में फसल काट रही दो बुजुर्ग महिलाओं पर हमला किया था, इनमें से पैंथर ने एक महिला मांगीबाई के गले पर अटैक किया था जिससे उनके गले पर गहरा घाव हो गया था। बुधवार शाम करीब 7:30 बजे महिला ने एमबी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। वहीं, दूसरी महिला केसीबाई के हाथ में घाव है उनका इलाज चल रहा है। आदमखोर पैंथर के रेड जोन एरिया में आने वाले गांवों के ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों का कहना है कि घर से बाहर निकलने में भी डर लग रहा हैं खेत पर फसल देखने कैसे जाएं। आदमखोर पैंथर इतना खूंखार हो चुका है कि वह समूह में भी हमला कर रहा है। आदमखोर पैंथर ने जब दोनों महिलाओं पर खेत में हमला किया उस समय वहां कुछ फीट की दूरी पर एक महिला का बेटा और बहू भी थे। उस वक्त खेत में चार लोग काम कर रहे थे।

बीकानेर में डेंगू के एक ही दिन में फिर आए 36 केस

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल में एक बार फिर एक ही दिन में डेंगू के 36 रोगी रिपोर्ट हुए हैं। इन्हें मिलाकर इन आठ महीनों में डेंगू रोगियों का आंकड़ा 602 हो गया है, जबकि सीएमएचओ की रिपोर्ट में जिले के रोगियों की संख्या 505 है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिलेभर में एंटी लार्वा गतिविधियों के लिए अभियान छेड़ रखा है, फिर भी मच्छरों की संख्या कम नहीं हो रही है। हर घर में कोई ना कोई वायरल बुखार या डेंगू से पीड़ित है। पीबीएम हॉस्पिटल में मेडिसिन विभाग के सभी वार्ड फुल हो गए हैं। एमसीएच बिल्डिंग में पहले 50 बेड लगाए थे, लेकिन मंगलवार को हुई 253 लोगों की जांच में 36 नए पॉजिटिव केस आने के बाद बेड की संख्या बढ़ाकर 65 कर दी गई है। विभाग में कुल सात यूनिट हैं। हर यूनिट का सात दिन के लिए ड्यूटी लगा दी गई है। उनके रेजिडेंट चौबीस घंटे एमसीएच में रहेंगे। इसके साथ ही आठ नर्सेज के अलावा नर्सिंग स्टूडेंट्स को भी लगाया गया है। एमसीएच में पानी की समस्या को देखते हुए दानदाता से कैंपर रखवाए गए हैं।

नोडल अधिकारी डॉ. पीडी तंवर ने बताया कि त्योहारी सीजन में लोग बीमार हो रहे हैं। लेकिन अच्छी बात ये है कि प्लेटलेट गिरने के बाद वापस ऊपर आ रही है। गंभीर मरीज भी ठीक होकर घर जा रहे हैं। गौरतलब है कि डेंगू के रोज 30 से 40 पॉजिटिव केस रिपोर्ट हो रहे हैं। इसे देखते हुए पीबीएम हॉस्पिटल में नेबूलाइजर आदि मशीनों की खरीद की भी तैयारी की जा रही है। मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर चिकित्सा विभाग की बैठक लेते हुए डॉ. चौधरी ने कहा है कि भ्रमण के दौरान पार्क जरूर चेक करें। पशुओं की खेळियां भी देखें। उन्होंने मलेरिया डेंगू रोकथाम को लेकर तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया। सीएमएचओ डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, डिप्टी सीएमएचओ स्वास्थ्य डॉ. लोकेश गुप्ता ने नए डेंगू केस, सर्वे गतिविधियों तथा वर्तमान परिदृश्य की ब्लॉक वार समीक्षा की। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश जनागल ने मातृ शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, कोल्ड चैन प्रबंधन के गुर सिखाए। वहीं जिला टीबी अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर मोदी ने निश्चित संख्या में स्पूटम जांच करवाने, टीबी मुक्त ग्राम पंचायत तथा निक्षय पोषण योजना की जानकारी चिकित्सा अधिकारियों को दी।

जिले के प्रत्येक सरकारी अस्पताल में दिवाली से पहले विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौर ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। सीएमएचओ डॉ. गुप्ता ने सभी पुराने अनुपयोगी सामान को नीलाम करने, आवश्यकता अनुसार छोटे–मोटे रिपेयर करवाने, रंग रोगन करवाने, समुचित स्थान पर आवश्यक आईईसी सामग्री प्रदर्शित करने, ड्रेनेज सिस्टम को पुख्ता बनाने, वायरिंग व स्विच को व्यवस्थित करने, सभी लाइट पंखे इत्यादि को सुचारू रखने तथा गमले व पौधे लगाकर परिसर को स्वच्छ व हाइजीन रखने के निर्देश दिए।

बी.एस.एफ. ने खेत में 10 करोड़ की हेरोइन बरामद की

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के केसरीसिंहपुर इलाके में देर रात बीएसएफ ने खेत में दो किलो हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ को इस इलाके में खेत में हेरोइन पड़े होने की सूचना मिली थी। इस पर कार्रवाई की तो मौके से हेरोइन का एक पैकेट बरामद हुआ। कार्रवाई बीएसएफ की एसएन जैन बीओपी के पास हुई। यह हेरोइन इस इलाके में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन ड्रॉपिंग के जरिए डाले जाने की आशंका है। जानकारी मिलने के बाद बीएसएफ ने इसे जब्त किया। देर रात से इलाके में सर्च ऑपरेशन भी चलाया गया है। हालांकि इसमें कोई संदिग्ध व्यक्ति पकड़ में नहीं आया है।

बीएसएफ अधिकारियों ने हेरोइन मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि इलाके में अब तक कोई संदिग्ध पकड़ में नहीं आया है। अभी इस मामले में कार्रवाई की जा रही है। इलाके में 10 दिन पहले भी हेरोइन मिली थी। तब यह कार्रवाई पुलिस ने की थी। श्रीकरणपुर के गांव माझीवाला के पास गांव 17 एस में 10 दिन पहले पुलिस ने 2 किलो 79 ग्राम हेरोइन पकड़ी थी।

■ बीएसएफ ने देर रात से इलाके में सर्च ऑपरेशन भी चलाया, इसमें कोई संदिग्ध व्यक्ति पकड़ में नहीं आया

यह एक खेत में पड़ी मिली।

पिछले 10 महीने की बात करें तो इस साल 10 जनवरी को केसरीसिंहपुर के गांव एक आर में पांच पैकेट में 5 किलो हेरोइन मिली। पंद्रह जनवरी को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 6 किलो हेरोइन मिली। 19 जनवरी को 6 किलो हेरोइन ले जा रहे ड्रोन को बीएसएफ ने फायर करके गिरा दिया। बारह मार्च को गांव मटीलीराठान के चक एक क्यू में किसान कश्मीर सिंह के खेत में छह पैकेट में साढ़े 3 किलो हेरोइन मिली। दो मई को 74 आरबी नहर की पुलिया पर गजसिंहपुर इलाके में दस करोड़ रुपए की हेरोइन मिली। वहीं 10 जून को गांव 79 एनपी के खेत में 3 किलो हेरोइन मिली। इसके अलावा भी हेरोइन तस्करी के कुछ मामले सामने आए हैं।

राशिफल शुक्रवार 18 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, अश्विनी नक्षत्र दिन 1:26 तक, वज्र योग रात्रि 9:34 तक, कौलव करण दिन 1:16 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–तुला, चन्द्रमा–मेष, मंगल–मिथुन, बुध–तुला, गुरू–वृष, शुक्र–वृश्चिक, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से दिन 1:6 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:26 तक बना रहेगा। राजयोग दिन 1:26 से सूर्योदय तक है। आज अशून्य शयन व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:57 तक, लाभ–अमृत 7:57 से 10:47 तक, शुभ 12:12 से 1:37 तक, चर 4:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:32, सूर्यास्त 5:52

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

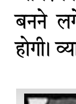
वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से मतभेद बढ़ सकते हैं और समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

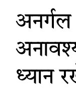
मिथुन
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी।

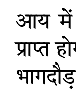
कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

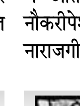
कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

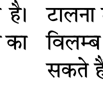
तुला
घर–परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

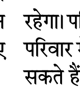
वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

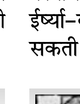
मकर
घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

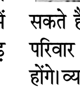
कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक योजना बनेगी। व्यावसायिक मामलों में उचित सोच–विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

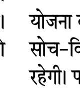
मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।